an>

Title: Need to prepare a fresh list of BPL and Antyodaya families.

श्री विनोद कुमार सोनकर (कौशाम्बी): गरीबों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन वर्ष 2002 में बनायी गयी बीपीएल सूची को आधार मानकर किया जाता है, परन्तु सही मायने में वर्तमान बीपीएल सूची में उन पात्र गरीबों का नाम नहीं है जिन तक सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना चाहती है क्योंकि सूची में तमाम शिकायतें प्राप्त होती रहती हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र व्यक्तियों के वंचित होने से आये दिन विवाद होता रहता है। देश में जनगणना का कार्य भी सामाजिक व आर्थिक आधार पर वर्ष 2011 में पूर्ण किया जा चुका है। किन्तु वर्ष 2002 में बनी बीपीएल सूची को ही आज भी आधार मानकर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है जबकि तब से अब तक सामाजिक व आर्थिक क्षेत्रों में काफी परिवर्तन हुआ है।

मैं सरकार से मांग करता हूँ कि नई बीपीएल व अंत्योदय सूची बनाकर सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी एंव गरीबी उन्मूलन संबंधी विभिन्न योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों को दिया जाए जिससे गरीबों का उत्थान हो सके तथा सही मायने में पं. दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।